वर्ष 28 अंक 245
पृष्ठ 18
बरेली, बुधवार
17 मई 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

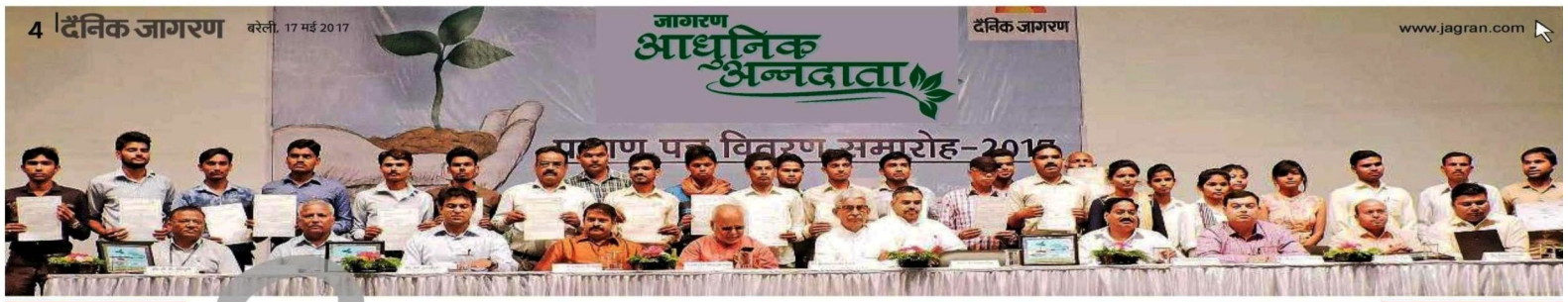

जागरण ने जगाया अब सरकार की बारी

वाकई ... किसानों की दशा सुधारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक जिस मुहिम को आगे बढ़ाने में जुटे हैं, मंगलवार को बरेली में उसे बड़ा मुकाम मिला, आधुनिक अन्नदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रमाण पत्र वितरण समारोह में। सफलता इसलिए भी बड़ी साबित हुई क्योंकि कार्यक्रम में खेती के मौजूदा हालात की असल वजह पर चोट हुई। मसला सिर्फ भाषणों तक नहीं सिमटा रहा, उसके हल पर भी गहन मंथन हुआ। पेशकश ने रास्ता सुझाया तो जिम्मेदारों ने आगे बढ़कर सुधार का बीड़ा उठाया। खुद भी और सरकार के जरिये रोडमैप समझाया। इस काम में अहम रोल रहा पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद का। उन्होंने देश के भविष्य यानी प्रशिक्षित युवाओं के सामने विस्तार से योजना रखी। जैसे-जैसे स्वामी बोलते गए, हर कोई मंत्रमुग्ध उन्हें सुनता रहा। वे बोले, बरेली से शुरू हुआ माटी का 'जागरण' देश के किसानों की जिंदगी में रोशनी फैलाएगा।

एसआरएमएस में आधुनिक अन्नदाता अभियान के प्रमाणपत्र वितरण समारोह के दौरान उपस्थित लोग • जागरण

माटी का 'जागरण'

- पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद ने मिट्टी की सेहत सुधारने का रखा रोडमैप
- कहा, आर्थिक संसाधन न पड़ने दें कम, मोबाइल की तरह हर किसान तक पहुंचेगी मिट्टी जांच की मशीन
- मिट्टी हो गई स्वस्थ तो देश की अर्थव्यवस्था पहुंचेगी आसमान, कर्जमाफी की नहीं पड़ेगी जरूरत

स्वामी फार्मूला, ऐसे सुधरेंगे हालात

उन्होंने कहा, उन्हें रिपोर्ट मिली है कि कृषि उत्पादन कम हो रहा है। किसानों की आय कम हो रही है। कहा, प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुधार के लिए जमीन की उर्वरा शक्ति के उपाय जरूरी हैं जिन्हें नित्य योजना में शामिल किया जाए। इसके अलावा मिट्टी की जांच को ग्राम पंचायत के विकास योजना का हिस्सा बनाएं। पंचायत प्रतिनिधि, ब्लॉक प्रतिनिधि पहल करें। उनके जरिये अनुदान की व्यवस्था की जाए। औद्योगिक प्रतिष्ठान सामने आएं। सांसद, विधायक अन्य जगह अपनी निधि खर्च करने के बजाए, किसानों के हित में लगाएं मृदा परीक्षण मशीन उपलब्ध कराएं। इसके अलावा अफसर भी मंडल स्तर पर प्रस्ताव तैयार करें ताकि सरकार सीधे अमल में लाए। उन्होंने दावा किया कि इससे किसानों को आय दोगुनी होने में बड़ी कामयाबी मिलेगी। कर्जमाफी जैसे निर्णय लेने की जरूरत नहीं होगी। जिसके पास मिट्टी, जमीन है वह गरीब नहीं रहेगा।

बयां किए रासायनिक खाद से बिगड़ते हालात

एसआरएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में हुए समारोह में स्वामी चिन्मयानंद ने कहा, माटी के बीमार होने के कारण मानव स्वास्थ्य खराब हो रहा है। रासायनिक खाद, कीटनाशकों के कारण भी वायुमंडल जहरीला होता जा रहा है। मंथन बीमारियों का इलाज नहीं हो पा रहा है। इसमें दोष किसान का नहीं है। वह भी बिना ज्ञान के उनके प्रयोग के लिए मजबूर हैं। पशुओं को अधिक दूध के लिए लगाए जा रहे इंजेक्शन से पशु कमजोर हो रहे हैं। ऐसा ही धरती के साथ हो रहा है। इसकी शक्ति क्षीण हो रही है। जमीन बंजर हो रही है लेकिन इस धरती को जीवित रखने के लिए जो खाद मिलनी चाहिए वो नहीं दे पा रहे हैं। कहा, मां जन्म देती है, पालती है लेकिन उसकी जरूरतों को छोड़ पूरा नहीं करता है। उसी तरह धरती भी मां है। वैज्ञानिकों का धन्यवाद, जो मिट्टी की जरूरत को पूरा करने के लिए जुटे हुए हैं। उर्वरता, जीवन शक्ति को समझने के लिए मृदा परीक्षण यंत्र का निर्माण किया गया।

खेती के साथ पशुपालन जरूरी

स्वामी ने कहा, गोबर की खाद के लिए पशु पालें ताकि गोहत्या जैसे विषय पर आंदोलन न देना पड़े। हर मृदा परीक्षण केंद्र में पशुओं के लिए भी परीक्षण की व्यवस्था हो। कहा, कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान होता है। मृदा परीक्षण के इस अभियान में जिन दुर्लभ गांवों में महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है उन्हें ही इससे हम कामयाब होंगे। वहां जरूरत इस बात की है कि आर्थिक संसाधन कम न होने दें।

दूसरों से सीखें, खुद को बदलें, बदल जाएगी किस्मत

स्वामी ने कहा, धरती को जितना पानी चाहिए उतना ही दें। इसके लिए भी योजना बननी चाहिए। आधुनिक राजनिस्त्री प्रशिक्षण को भी जागरण ने व्यापक स्तर तक पहुंचाया। इसके लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह जय जवान, जय किसान नारा दिया गया उसी के साथ जय विज्ञान भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक सुविधाएं नहीं मिल पाई। मक्का, गेहूं के उत्पादों के बारे में तो सब जानते हैं लेकिन वैज्ञानिकों के जरिये किसान खेती के तरीके सीख रहे हैं। वैज्ञानिक कृषि उत्पादकता बढ़ाएं। कहा, इजराइल में भूमि बंजर है लेकिन पानी का प्रयोग करके उस देश ने गन्ना व चाय उत्पादन में ख्याति प्राप्त की। मंत्रीशन ने भी ब्रिज सिंचाई को अपनाया और पानी बचाने का काम किया जबकि वहां खारा जल है। कहा, बरेली की धरती की उर्वरा शक्ति बहुत है लेकिन किसानों को सोना उगलने के तरीके नहीं बताए गए थे इसके कारण घिछड़ते रहे।

1. सत्यपाल को विशेष प्रमाण पत्र देते इदवनाथ सिंह। 2. श्री तरसीम को विशेष प्रमाण पत्र देते स्वामी चिन्मयानंद। 3. लालूराम को विशेष प्रमाण पत्र देते कमिश्नर डॉ. अशोक योगेन।

लोगों की 'सोच' बदलने के लिए तीन प्रधानों का सम्मान

जासं, बरेली : स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लोगों की सोच बदलने वाले तीन ग्राम प्रधानों को जागरण ने सम्मानित किया। जागरण के अभियान छोड़ो जंगल जाना में भी इन्होंने महती भूमिका अदा की। आधुनिक अन्नदाता अभियान के प्रमाण पत्र वितरण समारोह में प्रधानों को सम्मानित किया गया। भोजीपुरा ब्लाक के हरखंडापुर उर्फ लक्ष्मीगोपुर गांव की प्रधान रुकसाना हैं। इन्होंने गांव में शौचालय बनाने की पहल पिछले साल की। आज गांव के लोग खुले में शौच जाना बंद कर दिए हैं। गांव को ओडीएफ करने की तैयारी है। इसी तरह भुता ब्लाक के सुनहा ग्राम पंचायत के प्रधान सत्यपाल ने भी गांव में 80 से अधिक शौचालय बनवाए। बुजुर्ग लोगों की सोच बदलने का काम किया। उसी के बलबूते लोगों ने खुले में शौच जाना छोड़ा। यह स्वच्छता समिति का गठन कर गांव में खुद खुले में शौच जाने वालों की निगरानी करते हैं। उंडारी गगापुर गांव के प्रधान लालाराम ने भी लोगों की सोच बदली।

'मिट्टी स्वस्थ तो समझो सब मस्त'

जासं, बरेली : भाजपा के राष्ट्रीय संगठक व लगातार गंगे के अध्यक्ष इदवनाथ सिंह ने कहा, आधुनिक अन्नदाता अभियान के जरिये किसान की मिट्टी स्वस्थ होगी। मिट्टी स्वस्थ होगी तो अच्छी उपज मिलेगी। उपज अच्छी होगी तो किसानों की आय अच्छी होगी। इस अभियान के जरिये किसान संपन्न होंगे। यही है सरकार भी इसी तरह प्रयोगशालाएं खोलने का काम कर रही है। आगे भी मिट्टी को जांच के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा, कृषि व पशुपालन को अलग नहीं किया जा सकता है लेकिन पिछले वर्षों में इन दोनों को दूरियां बढ़ गईं। सरकार कृषि के साथ पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए योजना लाई जा रही है। जमीन की जांच के लिए पशु जरूरी है। बकरी व भेड़ पालन को भी सरकार बढ़ावा देगी। इस दिशा में योजनाएं बनाई जा रही हैं।

40 लैब होंगी स्थापित

बरेली : दैनिक जागरण के पहले ही प्रयास में मंडल के 40 गांव में मृदा परीक्षण लैब जल्द स्थापित हो जाएंगी। इसमें बीएल एग्रो ने 20, होराइजन ने 10, रिलायंस पावर रोजा ने पांच, भोजीपुरा ब्लाक प्रमुख ने दो मशीनें लैब स्थापना के लिए देने की घोषणा की है। भविष्य में मंडल के चार हजार गांव तक का टारगेट रखा गया है।

किसान ने सुनाई कविता

बरेली : कार्यक्रम के दौरान बदायूं से आए किसान रामशंकर शर्मा ने मिट्टी के सैंपल लेने के तरीके पर बनाई गई कविता प्रस्तुत की। इसमें बताया गया कि मिट्टी का सैंपल लेने का सही तरीका क्या है।

दस युवाओं को मिली मशीनें : कार्यक्रम के दौरान बीएल एग्रो और होराइजन की ओर से दस युवाओं को मृदा परीक्षण के लिए मशीनें उपलब्ध कराई गईं।

ये रहे मौजूद : रोजा पॉवर सप्लाई कंपनी (रिलायंस) के जीएम एचआर मेजर धर्मेंद्र सिंह बेस, डीजीएम सीएसआर राजेश कुमार, ब्लाक प्रमुख भोजीपुरा योगेश पटेल, ब्लाक प्रमुख क्यारा धर्मपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य मोहन सिंह, दीनदयाल, आशेरात, सूर्यप्रकाश गंगवार, अर्जुन सिंह टीटू, श्यामबिहारी गुप्ता, आत्मा योजना के उप परियोजना निदेशक डा. अजय यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह राठौर, अंकित शुक्ला, गैपशम के शोभाराम आदि मौजूद रहे।

आधुनिक अन्नदाता प्रमाण पत्र वितरण समारोह में पधारे अतिथियों ने अपने तरीके से बताया मृदा परीक्षण का महत्व

खेती में सुधार से सुदृढ़ होगी देश की अर्थव्यवस्था

एक गाय देगी 25 बीघा खेती को जीवन : केंद्रीय मंत्री

बरेली : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कृष्णराज ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और यहां 70-80 फीसद लोग खेती ही करते हैं। हमारे प्रधानमंत्री को किसानों एवं कृषि की हालत सुधारने की चिंता हुई और किसानों की आय दूनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस पर लगातार काम हो रहा है। बोली, जैविक खेती की उपयोगिता मैंने देखी है। चार एकड़ जमीन में वर्ष 2008-09 में मैंने खुद 1121 और पाकिस्तानी बासमती की खेती कराई थी। जिन लोगों को वे चावल भेंट किए, उन्होंने तीन-चार साल तक रसायन खाए। कहा, जीरो बजट खेती मेरी पसंद है। मैं संदेश देना चाहती हूं कि प्राकृतिक तरीके से खेती की जाए तो सामान्य लागत में बेहतर उपज होगी। पंचलत के लिए अनुसंधान करें, गोशंश का पालन करें और खेती करें। अन्न हमारे जीवन का सहारा है तो हम सभी को अन्नदाता का सहारा बनना चाहिए। खेती में प्रयोग होने वाले रसायन हमारे पेट और घरती में जाते हैं। हमारे साथ ही मिट्टी का स्वास्थ्य खराब करते हैं। यह चिंतनीय है। अगर हम गाय की रक्षा करें तो एक गाय के गोबर से 25 बीघा खेती को खाद मिल सकती है। हमारा विश्वास है कि गाय पालने और परंपरागत खेती में उसके गोबर व मूत्र के प्रयोग से किसानों की आय दो गुनी नहीं, तीन-चार गुनी भी हो सकती है।

आधुनिक अन्नदाता प्रमाणपत्र वितरण समारोह का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ करते अतिथिगण •

आगे बढ़ाएंगे मुहिम : घनश्याम खंडेलवाल

बीएलअो एग्रो के वेयरमैन घनश्याम खंडेलवाल ने इस आयोजन में खुद को सम्मिलित करने के लिए दैनिक जागरण का आभार जताया और मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कहा मेरा मानना है कि उन्नत खेती के लिए विज्ञान बहुत जरूरी है। खेती के साथ भी ऐसा हुआ, मगर रासायन के ज्यादा प्रयोग ने भूमि को खराब कर दिया। अब तक हम भूमि से लिया लेते आए हैं, अब कुछ देने की बारी है। मिट्टी अच्छी होगी तो उपज भी अच्छी होगी और किसानों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि बीएल एग्रो इस तरह की मुहिम के लिए हमेशा कटिबद्ध है। इसके तहत ही उन्होंने रोजा में पीचरोपण का छठा सत्र पर अभियान चलाकर पार्क संरक्षित किए हैं। साथ ही कि घनश्याम खंडेलवाल ने जिले के बीच गांव में मृदा परीक्षण लैब स्थापित करने का वादा किया है और इस संकल्प को उन्होंने मंच से भी दोहराया। इस दौरान उन्होंने यह भी घोषणा की, लोगों को जागरूक करने के लिए रोटरी क्लब के साथ मिलकर 450 शौचालय बनाएंगे।

योगेश पटेल देंगे दो मशीन : भोजीपुरा ब्लाक प्रमुख और भाजपा नेता योगेश पटेल भी कार्यक्रम से खासे प्रभावित दिखे। उन्होंने प्रारंभिक तौर पर ब्लाक के दो गांव में मृदा परीक्षण लैब स्थापित कराने की घोषणा की।

भूमि को दूषित कर स्वास्थ्य बिगाड़ रहा उर्वरक : आदित्यमूर्ति

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्यमूर्ति ने दैनिक जागरण समूह को बधाई दी। वीडियो के माध्यम से दिखाए गए जमीन को उपजाऊ बनाने और उसमें लाभ लेने के तरीके को उन्होंने बहुत सराहा। बोले, मैं स्वास्थ्य जगत से संबंध रखता हूं। मुझे पता है कि दूषित खानपान बीमारियां पैदा करता है। उर्वरकों का प्रयोग भूमि को दूषित कर बीमारियां पैदा कर रहा है। ट्रेनिंग पाए युवाओं को संबोधित कर कहा कि आप लोग अपने प्रशिक्षण से जन जागरण करें। आधुनिक अन्नदाता बनकर लोगों के लिए नया उदाहरण प्रस्तुत करें और देशसेवा करें।

पांच युवाओं को दिलाएंगे मशीनें : वी प्रसाद

रोजा रिलायंस पॉवर प्लांट के सुनिट मैनेजर वी प्रसाद ने कहा कि हमने दैनिक जागरण और गैपशम के साथ मिलकर सौ बच्चे प्रशिक्षित कराए हैं। आधुनिक अन्नदाता एक अच्छी मुहिम है। क्योंकि हम जो सोचेंगे, वह बनेंगे, जो बनेंगे, वह अच्छा करेंगे और अच्छा पाएंगे। यानी अच्छी खेती से अच्छा उगाएंगे और अच्छा खाएंगे। इससे शरीर भी स्वस्थ रहेगा और मन भी। इस दौरान उन्होंने पांच युवाओं को मृदा परीक्षण मशीनें दिलाने की भी घोषणा की। ये युवा भावलखेड़ा ब्लॉक के गांवों से होंगे, जहां उनका पॉवर प्लांट स्थित है।

कमिश्नर ने दी 'मिट्टी के डॉक्टर' की उपाधि

मंडलायुक्त पीयूष जगनमोहन ने ट्रेनिंग पाए युवाओं को संबोधित कर कहा मैं आप सभी को 'मिट्टी के डॉक्टर' की उपाधि देता हूं। आप बताएंगे कि मिट्टी में कमी क्या है, कैसे उसे संतुलित बनाकर, उसमें क्या फसल बोई जाए। बोले, मैंने सरकार से सिफारिश की है कि मंडी समिति में कंपोस्ट बनाने की मशीनें लगाई जाएं ताकि किसानों को फसल बेचने के दौरान ही यह उपलब्ध हो सके। इसके लिए ई-टेंडरिंग के जरिये मशीनें लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा पूरे विश्व में स्वच्छ भारत अभियान लोकप्रिय है। प्लास्टिक कचरा यानी पॉलीथीन इसकी दुश्मन है। मैंने अपने मंडल के डीएम को आदेश दिए हैं कि बीक बिक्री पर लगाम लगाएं।

युवा सुधारेंगे मिट्टी का भविष्य : प्रिंस छाबड़ा

मृदा परीक्षण के लिए पांच युवाओं को मशीनें उपलब्ध कराने वाले होराइजन ग्रुप के डायरेक्टर प्रिंस छाबड़ा का कहना है कि ये युवा मिट्टी का भविष्य सुधारेंगे। इससे न सिर्फ उनका भविष्य उज्जवल होगा बल्कि लोगों के स्वास्थ्य को भी फायदा होगा। इस मुहिम के लिए उन्होंने दैनिक जागरण को बधाई दी।

फिल्मों के माध्यम से पेश की सफलता की कहानी

कार्यक्रम के दौरान गैपशम के सीईओ सौरभ गौतम ने शॉर्ट फिल्मों के माध्यम से आधुनिक अन्नदाता अभियान का सफर प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से उत्तरकाशी का अथाणुघर प्रयोग मिट्टी को बर्बाद कर रहा है। इसके बाद कुलदीपगढ़ के आधुनिक अन्नदाता संजीव की सफलता की कहानी दिखाई गई। इस फिल्म के माध्यम से बताया कि संजीव किस तरह ढाई एकड़ जमीन में छह लाख रुपये कमाते हैं। वह जैविक विधि से खेती करते हैं।

सदैव तत्पर आईवीआरआइ : डॉ. आरके सिंह

आईवीआरआइ के निदेशक डॉ. आरके सिंह ने कहा कि इस अभियान में भागीदार होने पर हमें गर्व है। वैसे तो हम राष्ट्रीय संस्थान हैं लेकिन उत्तर प्रदेश में स्थित होने के कारण हम पर बड़ी जिम्मेदारी है और हम हर समय इसके लिए तत्पर हैं। खुद के स्वास्थ्य की तरह ही मृदा को स्वस्थ रखना जरूरी है। इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि इससे युवा जुड़े हैं, इससे निश्चित ही खेती का भविष्य उज्जवल होगा। किसानों की आय दोगुनी करने के विषय पर पिछले दिनों आईवीआरआइ में हुए मंथन में सामने आया कि हमारा ऑर्गेनिक कार्बन निचले स्तर पर है। हमारी भूमि में बहुत विषमताएं हैं इसलिए ऐसे कार्यक्रम की बहुत जरूरत है।

जिला पंचायत देगी पूरा सहयोग : संजय

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि दैनिक जागरण यह करता है, जो हम जनप्रतिनिधि सोच भी नहीं पाते। आधुनिक अन्नदाता अभियान की सराहना कर उन्होंने जिला पंचायत द्वारा पूरा सहयोग देने का वादा किया।

किसान बोले

खेती में सुधार सिर्फ स्वस्थ मिट्टी से हो सकता है। इस दिशा में भाजपा सरकार ठोस कदम उठा रही है। मृदा परीक्षण को लेकर व्यापक काम हो रहा है। रुहेलखंड में शुरू हुई यह पहल निश्चित ही आधुनिक खेती की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

श्याम बिहारी गुप्ता, प्रगतिशील किसान व दीन दयाल उन्नत कृषि शिक्षा योजना भारत सरकार के कन्वीनर

हर फसल से पहले मिट्टी की जांच कराते हैं। इससे काफी अच्छा उत्पादन होता है। फसल में बीमारी भी नहीं लगती।

जगदीश चंद्र मौर्य, बुझिया जनूसी भोजीपुरा

मिट्टी की जांच जरूरी है। इससे मिट्टी की बीमारियां दूर हो जाती हैं। दैनिक जागरण के आधुनिक अन्नदाता अभियान से काफी कुछ सीखने को मिला। इससे फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद काफी मदद मिली।

लोकपाल, आम गांव बदायूं

किसानों को फसल चक्र अपनाने की जरूरत है। यह मैं काफी समय से अपनाता हूं। कृषि से आमदनी बढ़ी है। इसलिए अन्य किसानों को भी जागरूक कर रहा हूं।

लक्ष्मीनरायण शर्मा, पीरनगर उझानी

आधुनिक खेती से जिंदगी में बदलाव आया है लेकिन खेती के साथ पशुपालन भी करता हूं। मेरा बेटा अमरीका में पढ़ाई करता है और बेटी शिक्षिका है।

साबिर अली, आसपुर खेड़ा, शेरगढ़

गाय पर आधारित खेती करता हूं। गोबर को खाद के रूप में प्रयोग करने के साथ ही गोमूत्र भी डालता हूं। इससे फसल में उतरेंक डालने की जरूरत नहीं पड़ती।

वीरेंद्र सिंह, तजुआ भोजीपुरा

जैविक खेती करने से बड़ा मुनाफा होता है। किसानों को जैविक खेती अपनानी चाहिए। इससे आय दोगुनी नहीं तीगुनी से भी अधिक होगी।

नूरबख्श, मझौआ, भोजीपुरा

दैनिक जागरण अभियान में शामिल होने के बाद खेत की मिट्टी की जांच कराई थी। इसके चलते पैदावार काफी बढ़ी है।

नंदराम, मझौआ गंगापुर, भोजीपुरा

किसान आय बढ़ाने में पशुओं का बड़ा योगदान है। इसलिए खेती के साथ ही पशुओं का उत्पादन कर आमदनी बढ़ाई है।

निरंजन देव गंगवार, सरौरा नवाबगंज

वैज्ञानिकों को भाया

मृदा परीक्षण खेती और पशुपालन के लिए काफी जरूरी है। अगर, मिट्टी में तत्व कम होंगे। उसी हिसाब और पशु दोनों के लिए नुकसानदायक है लेकिन घिछले कुछ समय से मिट्टी के बजाय उत्पादन पर ध्यान दिया गया। इसलिए मिट्टी बीमार हो गई लेकिन अब दैनिक जागरण के सहयोग से किसानों को मिट्टी की जांच के प्लेट जागरूक किया जा रहा है।

डॉ.एके गर्ग, संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा आइवीआरआइ

दैनिक जागरण की काफी अच्छी कोशिश है। इससे किसानों की जिंदगी में बदलाव तय है। मिट्टी की बीमारियां दूर होने से पैदावार बढ़ेगी। इससे किसानों के साथ ही देश खुशहाल होगा।

वीपी सिंह, प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, आइवीआरआइ

प्रशिक्षुओं ने कहा

मिट्टी जांच का प्रशिक्षण पाया। प्रमाण पत्र मिल गया है। ऐसा लग रहा है, जैसे की नौकरी मिल गई। मशीन के जरिए ग्रामीण महिलाओं को खेती के प्रति जागरूक करेंगे। इसका असर अगले सीजन तक देखने को मिलेगा।

शशि कुमारी, रामपुर

परिवार में महिला किसानों की भूमिका अहम होती है। वह बच्चों की तरह खेती का भी ख्याल रखती हैं। बस उन्हें जगाकर मिट्टी को स्वस्थ रखना है। उन्हें ज्ञान बांटेंगे। महिला जागरूक होंगी तो खेती सोना उगलेगी।

आयुषी मिश्रा, पीलीभीत

यूरिया का अंधाधुंध प्रयोग हुआ तो मिट्टी बीमार हो गई। प्रशिक्षण पाकर ऐसे लग रहा है, जैसे मैं डॉक्टर बन गई। मिट्टी की बीमारी का इलाज करेंगे। मिट्टी स्वस्थ होगी तो उत्पादन होगा।

पूनम, पीलीभीत

डिप्लोमा की तरह प्रमाण पत्र मिल गया। मिट्टी जांच के विशेषज्ञ बन गए, इससे रोजगार मिल गया है। घर बैठे भी माटी की जांच कर अपना खर्च आसानी से निकाला जा सकता है। प्रमाण पत्र पाकर गर्व हो रहा है।

आरती मौर्य, पीलीभीत

दैनिक जागरण के सहयोग से आधुनिक अन्नदाता की ट्रेनिंग लेने के बाद गांव में मिट्टी की जांच की। खेतों की मिट्टी में जो तत्व कम थे उन्हें दूर किया। इससे डेढ़ गुना फसल उत्पादन हुआ है।

जगदीश सिंह, ककराह, जलालाबाद

हर गांव में मिट्टी जांच की प्रयोगशाला होगी। इसके बाद ही किसानों की आय दोगुनी करने की उम्मीद कर सकते हैं। गांवों में मिट्टी जांच की प्रयोगशाला खुलने का आगाज हो गया है, जल्द देश भर के गांव में मिट्टी की जांच होगी।

अवनीश गौर्य, बजीरगंज, बदायूं

प्रधानों से बात

फसल से पहले मिट्टी की जांच होनी चाहिए, यह जानकारी किसानों को नहीं थी। दैनिक जागरण की मुहिम से अब किसान जागरूक हुए हैं।

राजकुमार प्रधान, वीरपुर मकरुवा

फसलों में रासायनिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो गई है। अब दैनिक जागरण की कोशिश से मिट्टी को ताकतवर बनाया जाएगा। इससे किसान खुशहाल होंगे।

मंगलसेन, प्रधान पंडरी खालसा

अफसरों ने सराहा

दैनिक जागरण किसानों को आधुनिक बनाने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। आधुनिक अन्नदाता अभियान में सभी सरकारी विभाग एक मंच पर आए हैं। इससे मंडल के सभी 15.76 लाख किसानों के खेतों के मिट्टी की जांच कराई जाएगी। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी मुहैया कराएंगे।

डॉ.सत्यवीर सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि, बरेली मंडल बरेली

दैनिक जागरण की तरफ से काफी बेहतर अभियान चलाया जा रहा है। इससे किसान जागरूक होंगे के साथ ही युवाओं की बेरोजगारी दूर होगी। युवा हर गांव में मिट्टी की जांच कर किसानों को आधुनिक बनाएंगे।

संजीव सिंह, सहायक निदेशक मृदा परीक्षण बरेली मंडल बरेली